भारत सरकार

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 603

जिसका उत्तर 25.07.2024 को दिया जाना है

उत्तर पूर्वी क्षेत्र में सड़क अवसंरचना

603. श्री बैजयंत पांडाः

क्या सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) पिछले दस वर्षों के दौरान पूर्वोत्तर क्षेत्र में सड़क और परिवहन अवसंरचना संबंधी परियोजनाओं की प्रगति का ब्यौरा क्या है; और

(ख) पूर्वोत्तर क्षेत्र के भीतर और इसे शेष भारत से जोड़ने के लिए सड़क संपर्क में किए गए सुधार हेतु की गई विशेष पहलों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री
(श्री नितिन जयराम गडकरी)

(क) पिछले दस वर्षों के दौरान पूर्वोत्तर क्षेत्र में कुल 9,984 किलोमीटर लंबाई के राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण किया गया है, जिस पर 1,07,504 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं, जबकि 1,18,894 करोड़ रुपये की लागत से कुल 5,055 किलोमीटर लंबाई की 265 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएं कार्यान्वित की जा रही हैं।

(ख) मंत्रालय पूर्वोत्तर क्षेत्र (एनईआर) में राष्ट्रीय राजमार्गों (रारा) के विकास पर विशेष ध्यान देता है और कुल बजट का 10% पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए निर्धारित किया गया है। राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास के लिए कई पहल की गई हैं: -

(i) पूर्वोत्तर के लिए विशेष त्वरित सड़क विकास कार्यक्रम (एसएआरडीपी-एनई), जिसका उद्देश्य राज्यों की राजधानियों को जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्गों का 2/4 लेन में उन्नयन करना, पूर्वोत्तर क्षेत्र के जिला मुख्यालय के कस्बों के लिए कम से कम 2-लेन सड़क संपर्कता उपलब्ध कराना, सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए पूर्वोत्तर क्षेत्र के पिछड़े और दूरदराज क्षेत्रों के लिए सड़क संपर्कता उपलब्ध कराना, सीमावर्ती क्षेत्रों में सामरिक महत्व की सड़कों में सुधार करना और पड़ोसी देशों से संपर्कता में सुधार करना है। पूर्वोत्तर क्षेत्र में अरुणाचल पैकेज सहित एसएआरडीपी-एनई के अंतर्गत परिकल्पित कार्यों

की कुल लंबाई 5,468 किमी है, जिसकी लागत 63,542 करोड़ रुपये है। इनमें से, 38,160 करोड़ रुपये लागत से कुल 3,699 किमी लंबाई पूरी हो चुकी है।

(ii) एनएचडीपी चरण- III के तहत, पूर्वोत्तर में कुल 110 किमी लंबाई के राष्ट्रीय राजमार्ग विकसित किए गए हैं।

(iii) भारतमाला परियोजना के अंतर्गत पूर्वोत्तर क्षेत्र में प्रस्तावित कार्यों की कुल लंबाई 2,767 किलोमीटर है, जिसकी लागत 64,319 करोड़ रुपये है। इनमें से 5,462 करोड़ रुपये की लागत से कुल 272 किलोमीटर लंबाई में कार्य पूर्ण हो चुके हैं।

(iv) 11,643 करोड़ रुपये की लागत से कुल 1,077 किलोमीटर की लंबाई वाले तवांग से कनुबारी तक ट्रांस-अरुणाचल राजमार्ग को मंजूरी दी गई। इनमें से 8,708 करोड़ रुपये की लागत से कुल 815 किलोमीटर लंबाई में काम पूरा हो चुका है।

(v) अरुणाचल प्रदेश में सीमांत राजमार्ग का निर्माण कार्य शुरू किया गया है, जिसका उद्देश्य सामरिक महत्व वाले सीमावर्ती क्षेत्रों में बेहतर संपर्कता उपलब्ध कराना तथा सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा देना है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय, रक्षा मंत्रालय तथा केन्द्रीय सड़क एवं अवसंरचना निधि से वित्त पोषण के साथ 29,562 करोड़ रुपये की लागत से कुल 1,498 किलोमीटर लंबाई की कुल 41 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है।

*****